## इन्टरव्यू-५

प्र: आपका नाम क्या है ?
ज: मेरा नाम अज़िमा है।

प्र: आपकी उम्र कितनी है ?
ज: मेरी उम्र 38 साल है।

प्र: आपके परिवार में कितने सदस्य हैं ?
ज: मेरी परिवार में दो बेटी है चार बेटे हैं और दो हम।

प्र: आपके यहां बुनकारी का ही काम होता है ?
ज: हां, हमारे यहां बुनकारी का काम होता है।

प्र: कितने लोग लगे हैं इसमें ?
ज: चार बच्चे है वो सब लगे हैं व तीन दूसरे आते हैं जिन्हें हम महीने में मजदूरी देते हैं।

प्र: आपके पास कुल कितने करघे हैं ?
ज: हमारे पास चार करघे हैं।

प्र: कितनी साड़ी बिन लेते हैं आप लोग कुल करघे से ?
ज: एक महीने में- एक बिन लेते है, एक महीने में टाईम लगता है बिनने में।
रूकावट

बहुत मेहनत करने के बाद बिन पाती है साड़ी और पैसा नहीं मिलता पूरा।
शुरू
हम लोग मजदूर हैं जैसे हम लोगों का अपना नहीं है।
रूकावट
महीना में हजार बारह सौ की कमाई होती है
शुरू
बहुत मेहनता करके एक बिन लेते हैं।

प्रः आप नली भरने का काम करती हैं ?
जः हां, सब उसी में आता है अलग से कुछ नहीं मिलता ।

प्रः इसके अलावा कुछ करती है ?
जः हां, जैसे कपड़ा सिलना हो नकाब बनाना हो तो फुरसत के समय कर लेते हैं।

प्रः उससे कुछ आमदनी होती है ?
जः हां, थोड़ी बहुत।

प्रः एक महीने में कितपर कमाई होती होगी ?
जः नहीं लगातार नहीं करते ना। इससे काम से फुरसत मिली, टाईम मिला तभी करते हैं, और बच्चे सब पूरे मेहनत से लग कर के हजार रुपये कमा लेते हैं। यहीं खानदानी पेशा है सब करते है मायके में भी ससुराल में भी।